विद्या भवन खोज-ख़बर

वर्ष–4 | अंक–13 | अक्टूबर–दिसम्बर, 2016

www.vidyabhawan.org

संवारे विद्या भवन को...

एच.आर. भाटी

21 जुलाई 1931 में विद्या भवन स्कूल की स्थापना एक किराए के भवन में हुई। विद्या भवन की व्यवस्था का विस्तार तीसवें, चालीसवें और पचासवें दशकों में इमारते एवं अधिकांश भू-सम्पदा खरीद वाला रहा। आज विद्या भवन ने विशाल 600 एकड़ के केम्पस का स्वरूप ग्रहण कर लिया। इसमें प्रमुख इमारते, छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवास, खेल के मैदान, प्रयोगशालाएं, तकनीकीय प्रशिक्षण केन्द्र आदि शामिल हैं। दूसरा विस्तार नब्बे के दशक एवं दो हजार के प्रथम दशक में शिक्षण के क्षेत्र में और प्रकृति साधना केन्द्र के रूप में हुआ।

वर्तमान में विद्या भवन सोसायटी को प्रबन्धन की दृष्टि से तीन भौगोलिक स्वरूपों में बांटा जा सकता है। सोसायटी भवन सहित विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय, विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल तथा विद्या भवन पब्लिक स्कूल। दक्षिण क्षेत्र देवाली फतेहपुरा, उतरी क्षेत्र बड़गांव व रामगिरि जिसमें विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट, विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज, आंगनवाड़ी, विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान, विद्या भवन एसटीसी और विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरी तथा उत्तर में 8 किलोमीटर दूर प्रकृति साधना केन्द्र हैं।

चूंकि अधिकांश भू-भाग गर्मी एवं वर्षा के कटाव के कारण खेल मैदानों एवं चट्टानों में जंगली घास उग आई। इमारतों का आंतरिक सफेदी कार्य आरास से हुआ। विद्या भवन की सभी संस्थाओं में अभी मरम्मत कार्य होने से कमरे एवं दीवारें उपयोग में आ रही हैं। परन्तु अब इन इमारतों की छतों का प्लास्टर, सीवरेज लाईन, शौचालय आदि की बड़े पैमाने पर मरम्मत कार्य की आवश्यकता है ताकि इनका उपयोग आगामी 25-30 वर्षों तक नियमित रूप से लिया जा सकें।

विद्या बन्धु संघ के प्रयासों से सीनियर सैकण्डरी स्कूल फतहपुरा के जूनियर स्कूल की इमारत का आमूल रिनोवेशन कार्य व सीनियर स्कूल में कक्षा-कक्षों का रिनोवेशन कार्य पूर्ण करा दिया गया है। शेष ईमारतों के रिनोवेशन का कार्य स्थानीय संस्था प्रधानों एवं वहां की निर्माण कमेटी के सदस्यों की सहभागिता से हो रहा है। इसमें आर्थिक सहायता एवं मार्गदर्शन दोनों की दृष्टि से विद्या बन्धु संघ एवं विद्या भवन

शेष पृष्ठ 2 पर...

अंदर देखें...

- ✓ विद्या भवन वार्षिकोत्सव प्रायोजना 3
- ✓ विद्यार्थियों को प्राप्त हुई छात्रवृत्ति 4
- ✓ माउण्ट आबू में लगा वनशाला शिविर 5
- ✓ अन्तर महाविद्यालयी खेल सप्ताह 6
- ✓ अभिभावक–अध्यापक मीटिंग 7
- ✓ प्रकृति का संतुलन हमारा दायित्व 8
- ✓ जीवन के लिए जरूरी गांधी 11
- ✓ नर्सरी स्कूल इन्टरवेंशन 14

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुती देते विद्यार्थी

सम्पादकीय...

विद्या भवन अपनी स्थापना के पश्चात 8 दशकों की गौरवमई शैक्षिक यात्रा संपन्न करते हुए नए वैश्विक माहौल में पहुंच चुका है। वर्तमान की नई चुनौतियों का सामना करने के लिए भौतिक आधारभूत ढांचे एवं मानवीय संरचना के नवीनीकरण के साथ-साथ अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में नवीनीकरण की दिशा में भी प्रतिबद्धता के साथ अग्रसर हो रहा है। अपने विस्तृत परिसरों को सुन्दर बनाने और स्मार्ट कक्षाओं के निर्माण के साथ-साथ छात्रावासों तथा खेल के मैदानों जैसी सुविधाओं का भी नवीनीकरण किया जा रहा है। विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं की ओर भी प्राथमिकता से ध्यान देते हुए उन्हें हल करने का प्रयास किया जा रहा है। अपनी स्थापना के बाद शायद इतने बड़े स्तर पर यह पहला प्रयास है। अध्यक्ष महोदय एवं कर्मचारियों की समूह भावना ने एक बार फिर संस्था की नींव में नूतन प्राण फूंकने का अभियान प्रारंभ किया है। विद्या बंधु संघ का सहयोग भी इस दिशा में प्रशंसनीय है।

विद्या भवन कर्मचारी खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी एकबार फिर कर्मचारियों ने जोश दिखाते हुए संस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। स्कूल एवं शिक्षक महाविद्यालय में जहां विद्यार्थियों ने वनशाला शिविर में भाग लेकर स्थानीय परिवेश से जुड़ाव सीखा वहीं बालमेलों ने उन्हें उत्साहित किया।

सलाहकार
हृदय कान्त दीवान

संपादन
डॉ. गिरीश शर्मा ✦ अंजना राव

ले-आउट, डिजाइनिंग
एस.एम. इकराम

...पृष्ठ 1 का शेष

के 66 बैच के विद्यार्थियों ने अपना योगदान जिम्नेज़ियम व लेब को विकसित करने हेतु देकर सोसायटी को इस कार्य को जारी रखने की प्रेरणा व दिशा प्रदान की है।

विद्या भवन सोसायटी ने सेठ गोविन्दराम सेकसरिया के परिवारजनों की आर्थिक मदद से ओडिटोरियम व टीचर्स ट्रेनिंग महाविद्यालय की ऐतिहासिक ईमारत का रिनोवेशन कार्य आरम्भ कर दिया है। कोलगेट फाउण्डेशन की आर्थिक मदद से स्कूल के छात्रावास विशेषकर कन्या छात्रावास का रिनोवेशन कार्य भी कराया जा चुका है। कलकत्ता सदन व आवासीय भवनो में कार्यारम्भ हो चुका हैं। बजाज फाउण्डेशन की आर्थिक अनुदान सहायता से शिक्षक प्रशिक्षण छात्रावास के निर्माण कार्य की रूपरेखा तैयार की जा रही है। जो उत्तरी क्षेत्र के रामगिरि केम्पस में बनाने का तय किया गया है।

सोसायटी स्तर पर निर्माण रिनोवेशन कार्य हेतु अभियांत्रिकीय इकाई का भी गठन किया है। रवीन्द्र सोलंकी को असिस्टेंट इंजीनियर के पद पर पदोन्नत कर कार्य को गति व दिशा देने का प्रयास हो रहा है।

एच.आर. भाटी
विद्या भवन सोसायटी

रिनोवेशन निर्माण कार्य प्रगति प्रतिवेदन

जिम्नेजियम का जीर्णोद्धार

विद्या बन्धु संघ के वर्ष 1966 बेच के विद्यार्थियों ने इस अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में जिम्नेजियम का जीर्णोद्धार तथा खेलकूद को बढ़ावा देने हेतू टेबल टेनिस, फुटबॉल एवं हॉकी के गोल पोस्ट तथा क्रिकेट खेलने की सुविधा प्रदान की। बैच छात्र नरेन्द्र दोशी, वीरेन्द्र डांगी व नवल पगारिया की पहल पर इस कार्य की सहमति बनी। जिम्नेज़ियम में रोशनी की व्यवस्था भी की गई है। बैच ने बॉयलोजिकल लेब का जीर्णोद्धार कार्य की जिम्मेदारी ली है। वैज्ञानिक यंत्र व रोशनी का कार्य पूर्ण हो चुका है।

खेल मैदान का समतलीकरण कार्य

सी.सै. स्कूल के खेल मैदान में बनी सिपेज, पानी व वर्षा के पानी को बाहर निकालने हेतु, पूर्व में बनी नालियां, कठोर चट्टानों को तोड़ने व मैदान में उभरी चट्टानों को तोड़ कर समतलीकरण का कार्य आरम्भ किया है। स्टेज के पास का मैदान विद्यार्थियों के खेलने हेतु उपलब्ध करा दिया गया है।

प्रयोगशाला का जीर्णोद्धार कार्य

गोविन्दराम सेकसरिया टीचर्स कॉलेज में ग्राउण्ड फ्लोर पर जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान व फिजिक्स के साथ सामाजिक एवं मनोविज्ञान प्रयोगशालाओं को शिफ्ट किया गया है। जुबली हॉस्टल की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। बीएड कॉलेज के मुख्य परिसर व भवन और ऑडिटोरियम की मरम्मत कार्य हेतु 11 लाख रुपये स्वीकृत हुए है। इसके लिए मुम्बई की कम्पनी के आर्किटेक्ट की राय से प्रस्तावनुसार कार्य आरम्भ कर दिया है।

नर्सरी स्कूल रिनोवेशन

नर्सरी स्कूल में रिनोवेशन का कार्य जारी है। इसमें बॉण्ड्रीवाल की ऊंचाई बढ़ाना, दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु रेंप निर्माण, शौचालय का मरम्मत कार्य, सेण्ड-पिट की मरम्मत एवं उसमें नई रेती डालने का कार्य कराने की स्वीकृति हुई है।

विद्या भवन छात्रावास

अरावली भवन छात्रावास के सेफ्टी टेंक मरम्मत का कार्य कराया गया। लोढ़ा निवास के तीनों हॉल, बरामदा, वार्डन के आवास में डिस्टेम्पर का रंग रोगन, और अन्दर-बाहर के टॉयलेट एवं बॉथरूम की मरम्मत की गई। कलकत्ता सदन की दीवारों एवं झालियों की मरम्मत का कार्य, बाहर व अन्दर कर दिया गया है। शौचालय एवं बॉथरूम की मरम्मत रंग-रोगन, मरम्मत एवं रंग रोगन कार्य की

शेष पृष्ठ 15 पर...

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल

www.vbssschool.org

विद्या भवन वार्षिकोत्सव प्रायोजना

विद्यालय की वार्षिकोत्सव प्रायोजना 2016 - 'ओलम्पिक' विषय पर केन्द्रित थी। परियोजना के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 के सभी विद्यार्थियों द्वारा 'ओलम्पिक' से सम्बन्धित चार्ट्स, मॉडल व लेखन के साथ-साथ प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसका उद्घाटन एडीशनल सी.ई.ओ. स्मार्ट सिटी एवं ओ.एस.डी. यू.आई.टी. उदयपुर कीर्ति राठौड़ ने किया। अपने उद्बोधन में कीर्ति राठौड़ ने कहा कि स्वच्छता आज एक महत्वपूर्ण विषय है। स्मार्ट सिटी अभियान के तहत घोषित 20 शहरों में उदयपुर का भी चयन किया गया है। शहर को स्वच्छ रखने के लिये विद्यार्थियों को महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

इस मौके पर 1966 बैच के पूर्व विद्यार्थियों द्वारा रिनोवेटेड जिम्नेज़ियम का भी उद्घाटन किया। बैच के पूर्व छात्र राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नरेन्द्र दोशी ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों की ओर अपने रुझान को बढाते हुए राष्ट्रीय स्तर तक अपने स्थान बनाए। विद्याभवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि हम मिल-जुल कर एक अच्छे समाज का निर्माण करें, अच्छे पद पर जाएं तथा खेलों में भी तरक्की प्राप्त करें।

वार्षिक प्रायोजन का मुख्य समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम (पेजेंट) के रूप में आयोजित किया गया। प्राचार्या मधुलिका कोठारी ने वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा। मुख्य अतिथि डॉ. पवित्र मोहन ने कहा कि खेल व्यक्ति में शारीरिक, मानसिक व नई सोच का विकास करता है। अच्छे स्वास्थ्य पोषण के लिये खेलों का होना आवश्यक है। विद्या भवन इन्हीं मूल्यों पर छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। विद्याभवन सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि व्यक्ति को निरन्तर आगे बढते रहना चाहिए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में 'ओलम्पिक्स' विषय पर साइकलिंग, जिमनास्टिक, फुटबाल, तीरंदाजी शेडोप्ले व सपनों से सम्बन्धित सांस्कृ तिक प्रस्तुतियां दी गई। अंत में जूनियर स्कूल इंचार्ज रेणु जाधव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन अध्यापक नारायणलाल आमेटा, ललिता चेलावत व छात्र मोहित मेघवाल ने किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथि

दिनांक 7 से 21 तक वार्षिक प्रायोजना कार्य 'ओलम्पिक' विषय पर सम्पादित किया गया जिसमें जूनियर स्कूल के विद्यार्थियों की चार श्रेणियां बनाई गई। प्रत्येक श्रेणी में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थी थे। हर श्रेणी में दो-दो अध्यापक थे।

जूनियर स्कूल में भी विद्यार्थियों के लिए इसका पाठ्यक्रम पूर्व में बनाया गया। विद्यार्थियों ने पुस्तकालय व अखबारों से विषय सामग्री का चयन, ओलम्पिक से सम्बन्धित जानकारी जैसे ओलम्पिक कब शुरू हुआ, चिह्न का अर्थ, मुख्य तथ्य, मशाल की अब तक की यात्रा, महान खिलाड़ी, प्रतियोगिताओं के नाम, उसका इतिहास, पैरा ओलम्पिक क्या है? उसकी शुरूआत, प्रसिद्ध भारतीय खिलाड़ी, भारत का योगदान, विभिन्न मेडल के प्रकार व अर्थ आदि विषय पर जानकारी एकत्रित की तथा इन्हीं विषयों पर श्रेणी कार्य में विद्यार्थियों ने चार्ट्स, मॉडल व लेख लिखे व प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए। कुल 95 चार्ट्स, 2 मॉडल व 15 लेख लिखे गए। वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें बनवायी गई सामग्री को प्रदर्शित किया गया।

जूनियर विभाग

जूनियर स्कूल के विद्यार्थियों के लिये 'कुकिंग विदाऊट फायर' प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में 25 टीम बनाई गई। इनमें विद्यार्थियों को विषय चयन, कटिंग, प्रस्तुतीकरण एवं स्वाद आदि को जांचा गया। अध्यापक विजय गोयल एवं मोहन लाल जोशी निर्णायक थे। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में उत्साह से भाग लिया। इस मौके पर विविध भोज्य सामग्री बनाकर सजाई जैसे - सलाद, फ्रूट सलाद, नींबू पानी, लस्सी, छाछ, भेल, पंचामृत, सेण्डविचेज़, मीठा दही, रसना आदि। प्रतियोगिता में दिप्ती माई, पूजा, जया और लक्ष्मी प्रथम रहे।

अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता

जूनियर विभाग में अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने कक्षावार चुनिंदा विषय पर पेराग्राफ लिखा। कक्षा 1 व 2 वर्ग से रान्जल व कक्षा 3 से 5 वर्ग में दीप्ति माई प्रथम रहे।

शैक्षिक वार्ता में भागीदारी

विद्याभवन शिक्षा केन्द्र में आयोजित वार्ता में विद्यालय की इंचार्ज रेणु जाधव और अध्यापिका रेणु बोर्दिया ने भाग लिया। वार्ताकार इंग्लैण्ड की पूर्व शिक्षा मंत्री ने वहां की शिक्षा व्यवस्था व बदलाव पर अपने अनुभव बांटे व प्रश्न भी रखे। कैसे कौशल शिक्षा को परम्परिक शिक्षा से जोड़ा जाए। भारत के परिपेक्ष्य में किन बदलावों की आवश्यकता है? लड़के व लड़कियों के समान अवसर, वर्ग भेद, वर्ण भेद से जुड़ी समस्याएं व उससे उबरने के वर्तमान में तरीकों पर विचार विमर्श किया गया।

क्रिसमस पर्व मनाया

23 दिसम्बर को जूनियर व नर्सरी का क्रिसमस पर्व सामूहिक रूप से मनाया गया। अध्यापिका रेजिना ने ईसा मसीह व सान्ता की कहानी सुनाई। विद्यार्थियों ने सान्ता बने अध्यापिका के साथ नृत्य किया। विद्यार्थियों को केक, पेन आदि बांटे गए।

नर्सरी विभाग

गरबा उत्सव के तहत बच्चों ने गरबा खेलकर काफी आनन्द उठाया। बच्चों को

शेष पृष्ठ 16 पर...

विद्या भवन सीनियर सैकण्डरी स्कूल, रामगिरि

www.vbbasicschool.org

विद्यार्थियों को प्राप्त हुई छात्रवृत्ति

विद्या भवन सोसायटी के द्वारा विद्यार्थियों को एन.के.एस. मार्शल छात्रवृत्ति फण्ड, जॉन बिसेल छात्रवृत्ति फंड तथा जेड़ वाइक छात्रवृत्ति फंड के अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2016-17 हेतु छात्रवृत्ति दी गई। ये छात्रवृत्ति विद्यार्थियों के शैक्षणिक उपलब्धि, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन तथा उनकी कमजोर आर्थिक स्थिति को आधार मानते हुए प्रदान की गई। विद्यालय में 15 विद्यार्थियों को कुल 1 लाख 28 हजार रुपये की छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।

छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले विद्यार्थी

एन.के.एस. मार्शल छात्रवृत्ति फंड द्वारा-

क्र.	नाम	कक्षा	राशि
1.	जमना नागदा	11 (कॉमर्स)	10,000
2.	हिना पालीवाल	7	7000

जॉन बिसेल छात्रवृत्ति फंड द्वारा

क्र.	नाम	कक्षा	राशि
1.	पूजा पालीवाल	11 (कॉमर्स)	10,000
2.	निर्मला पंवार	- ” -	10,000
3.	कुलदीप सिंह	- ” -	10,000
4.	हुनर पंड्या	9	9,000
5.	गिरिजा वैष्णव	- ” -	9,000
6.	सोनु जांगिड़	- ” -	9,000
7.	तरूण डांगी	8	8,000
8.	भारती बावरी	1	6,000

जेड़. वाईक छात्रवृत्ति फंड

क्र.	नाम	कक्षा	राशि
1.	गायत्री वेद	11 (कॉमर्स)	10,000
2.	सागर सालवी	6	8,000
3.	यशोदा मेघवाल	- ” -	8,000
4.	जगदीश मेघवाल	4	7,000
5.	दीपक सिसोदिया	- ” -	7,000

नन्हें-मुन्नों की पिकनिक

प्राइमरी सेक्शन से नन्हे-मुन्ने पिकनिक पर राजीव गांधी पार्क व मोती मगरी गए। वहां पर बच्चों ने कविता, गीत, कहानी व नाटक प्रस्तुत किये जिसमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मोती मगरी में उन्होंने महाराणा प्रताप की स्थापित प्रतिमा देखी और संबंधित महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने भी महाराणा प्रताप से संबंधित पूर्व ज्ञान को शिक्षकों के सामने प्रस्तुत किया।

गरबा नृत्य का आयोजन

नवरात्रि पर्व पर विद्यालय में गरबा नृत्य का आयोजन हुआ। कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थी रंगीन तथा पारम्परिक वेशभूषा में आये तथा गरबा गीतों पर झूमकर थिरके।

चित्रकला प्रतियोगिता

आईसीआईसीआई बैंक के तत्वाधान में कक्षा-6 से 12 तक के लिए चित्रकला प्रतियोगिता शिक्षक आर.डी. वर्मा के दिशा-निर्देशन में हुई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत, डिजिटल इण्डिया, स्वस्थ्य परिवार तथा पर्यावरण संरक्षण विषय पर चित्र के माध्यम से विचारों को प्रदर्शित किया।

वन्देमारतम् कार्यक्रम में शिरकत

हिन्दू अध्यात्म सेवा संगम एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में फतहसागर पाल पर वन्देमातरम् कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर थे। कार्यक्रम में विद्यालय से कक्षा-9 से 12 तक के विद्यार्थी उपस्थित हुए और लगभग सत्तर हजार विद्यार्थियों व नागरिकों के साथ सामूहिक वन्दे मातरम् का गायन किया।

मौसम प्रेक्षणशाला का अवलोकन

विद्यालय के कक्षा-11 के 23 छात्र-छात्राओं ने भूगोल शिक्षक कमलेश शर्मा के सान्निध्य में विद्या भवन गो. से. शिक्षक महाविद्यालय स्थित मौसम प्रेक्षण शाला का अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने प्रारंभ में मौसम, जलवायु तथा ऋतुओं में संबंध को जाना तथा मौसम के तत्वों में अंतर्संबंधों पर चर्चा की। उन्होंने समाचार पत्रों में मौसम तालिका देखी। उसके बाद विभिन्न मौसम उपकरणों का अवलोकन करते हुए उनसे मापन करना सीखा। बाद में वे मौसम प्रेक्षण शाला गए जहां उन्होंने तापमापी, आर्द्रता मापी, वर्षा मापी तथा पवन दिशा सूचक यंत्रों से प्रेक्षण लेना सीखा। प्राप्त आंकड़ों को उन्होंने तालिका में पूर्ति की तथा रिपोर्ट तैयार की।

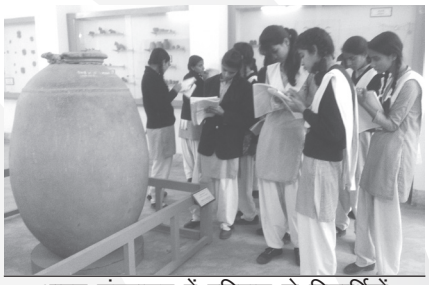

आहड़ संग्रहालय में इतिहास के विद्यार्थियों

आहड़ सभ्यता को जाना

विद्यालय से कक्षा-11 व 12 के इतिहास विषय के विद्यार्थियों ने इतिहास शिक्षिका पुष्पा राजपूत के सान्निध्य में आहड़ संग्रहालय का अवलोकन किया। यहां पर विद्यार्थियों ने उत्खनित स्थलों से प्राप्त ठप्पे, बैलों की मृणमूर्तियां, मिट्टी तथा अर्द्धकीमती पत्थरों के मोती, तांबें की वस्तुएँ जैसे- कुल्हाड़ी, चाकू, चूड़ियां, तीर, छेनी आदि लघु अस्त्र, सिलबट्टे आदि वस्तुएं अवलोकित की। इसके अतिरिक्त यहां पर तकली के प्रमाण भी दर्शनीय हैं। संग्रहालय में बड़ी संख्या में मध्यकालीन प्रतिमाओं का सुन्दर संग्रह है। यह संग्रह 7वीं से 15वीं सदी तक के हैं। संग्रहालय अवलोकन के पश्चात विद्यार्थियों ने महासतियों का भी अवलोकन किया।

जैव विविधता पार्क में शाला पंचायत

शाला पंचायत का केम्प जैव विविधता पार्क, अम्बेरी पर लगा। केम्प में भ्रमण के दौरान विभिन्न पौधों व वृक्षों के सम्बन्ध में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने सेमल, विषतेन्दू, महुआ, ग्वारपाटा, चन्दन, बाँस आदि वृक्षों के लाभ व उपयोगिता के बारे में जाना कि किस प्रकार वे औषधि के रूप में उपयोग में आते हैं तथा उनसे किस प्रकार के उत्पाद बनाए जाते हैं।

शेष पृष्ठ 5 पर...

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

www.vbpublicschool.org

गरबा डांस में मारी बाजी

नवरात्रि महोत्सव के दौरान आयोजित डांस प्रतियोगिता में सभी हाउसेज ने उत्तम प्रदर्शन किया। निर्णायक ने ग्रीनहाउस को खिताब प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय के नवनिर्मित सांस्कृतिक मंच का उद्घाटन हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में सामूहिक नाटक प्रदर्शन, राजस्थानी नृत्य एवं संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। वरिष्ठ नागरिकजनों ने अपनी उपस्थिति देकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

समूह नृत्य में रहा दबदबा

महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर स्कूल में सूफी क्लासिकल नृत्य प्रतियोगिता हुई। समूह नृत्य में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संगीत के जरिए नृत्य को अपनी इबादत को खुदा तक पहुंचाना यह सूफी नृत्य की खासियत होती है, इसी भावना को चरितार्थ करके विद्यार्थियों को समझाने हेतु यह नृत्य प्रतियोगिता कराई।

बालमन ने उकेरी भावनाएं

हिन्दुस्तान जिंक व वेदान्ता ग्रुप उदयपुर के द्वारा बालविवाह, बालश्रमिक, बालविकास जैसी सामाजिक कुरीतियों को विषय बनाकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें स्थानीय विद्यालय ने कई विद्यालयों को पीछे छोड़ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के म्यूजिक ग्रुप ने प्रस्तुती दी। हर्ष तलेसरा की बाल-कुपोषण पर आधारित चित्रकारी ने सभी को प्रभावित किया।

रक्षिता जाजू पुरस्कृत

अखिल भारतीय महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रतियोगिता के अन्तर्गत विद्यालय की छात्र रक्षिता जाजू ने प्रतियोगिता स्तर का प्रथम (अ) श्रेणी का उच्चतम पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में लगभग 50 से अधिक बच्चों ने भाग लिया एवं विभिन्न श्रेणियों में उनको प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

माउण्ट आबू में लगा वनशाला शिविर

तीन दिवसीय वनशाला कम शैक्षिक भ्रमण माउन्ट आबू में हुआ। चार बसों से बच्चें एवं विद्यालय स्टाफ माउण्ट आबू के लिए रवाना हुए। प्रथम दिन बच्चों ने आबूरोड़ ब्रह्मकुमारी स्थित विश्व का सबसे बड़ा डायमण्ड हॉल देखा एवं ब्रह्मकुमारी संस्था के उद्देश्यों को जाना। इसके पश्चात् विश्व का सबसे बड़ा सॉलर प्लान्ट देखा। शाम को एशिया का सबसे बड़ा फिश एक्वेरियम का अवलोकन किया। मौनवेला सनसेट पॉइन्ट पर हुई। दूसरे दिन ट्रेक्स टैंक, देलवाड़ा जैन मंदिर का भ्रमण किया। अंतिम दिन घुड़सवारी, फोटो और बाजार भ्रमण का लुफ्त उठाकर पावापुरी पहुंचे।

पुरुस्कार प्राप्त करती मंशा जोशी

मंशा जोशी ने दिखाया हूनर

प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों एवं विभिन्न नस्लों के अवलोकन कराने एवं उनके बारे में नवीन जानकारियां देने के उद्देश्य से वर्ल्ड वाइल्ड फाउण्डेशन और वन विभाग, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में सामान्य ज्ञान एवं चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के 39 विद्यार्थियों ने भाग लिया। चित्रकला में कक्षा आठवीं की छात्र मंशा जोशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

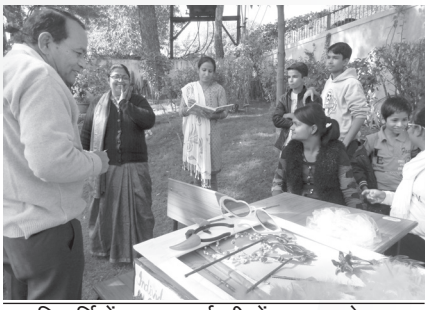
विद्यार्थियों द्वारा बनाई चीजों का अवलोकन

बालमेले में उत्साह रहा चरम पर

विद्यालय में बालमेले का आयोजन किया गया। बालमेले में विभिन्न प्रकार की स्टॉल्स लगाई गई जिनमें वेजीटेबल, इडली, चाट पपड़ी वेजीटेबल पकोड़े, नूडल्स सूप आदि के स्टॉल्स थे। गेम जोन में बेलूनगेम, कॉइनगेम, कॉर्ड्स गेम बॉल थ्रो गेम आदि विभिन्न प्रकार के खेल रखे गए थे। बच्चों के लिए टिकट रखे गए थे जिनको खरीद कर खाने-पीने का आनन्द लिया। विद्या भवन के पूर्व अध्यक्ष रियाज तहसीन, एस. पी. गौड़ एवं जाहिद मोहम्मद ने मेले की गतिविधियों का अवलोकन किया।

केपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप

दिल्ली पब्लिक स्कूल, उदयपुर में आयोजित सी.बी.एस.ई. केपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप ऑन मेथेमेटिक्स में विद्यालय की शिक्षिका प्रीति छाजेड़ ने भाग लिया। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य एक शिक्षक सिर्फ अध्यापन का ही कार्य न करे बल्कि बच्चों के लिए फेसिलेटर का भी उत्तम कार्य कर सके, था। वर्कशाप में कक्षा दसवीं के पाठ्यक्रम में निहित पाठ्यसामग्री को किस तरह अनेक गतिविधि आधारित सरलतम तरीकों से सम्पादित कराया जा सके यह बताया गया।

रिपोर्टर : ललित पूर्बिया

...पृष्ठ 4 का शेष

बाल विकास मंत्री का दौरा

विद्यालय में बाल विकास मंत्री मनन चतुर्वेदी ने दौरा किया। सोसायटी के अध्यक्ष अजय मेहता तथा व्यवस्था सचिव एस.पी. गौड़ ने उनका स्वागत किया। मंत्री ने यहां सुथारी वर्कशॉप, इलेक्ट्रोनिक्स वर्कशॉप, टाई एण्ड डाई वर्कशॉप देखी। इलेक्ट्रॉनिक वर्कशॉप के अन्तर्गत शिक्षक रामदयाल वर्मा, सुथारी वर्कशॉप में शिक्षक इन्दरलाल सुथार तथा टाई एण्ड डाई में शिक्षक शशिकांत शर्मा ने विद्यार्थियों को बंधेज से सम्बन्धित जानकारियां दी। मंत्री ने बुनियादी शिक्षा तथा कौशलात्मक शिक्षा की वर्तमान परिप्रेक्ष्य का आवश्यक अंग मानते हुए विद्यालय की प्रंशसा की तथा मदद का आश्वासन दिया।

रिपोर्टर : पुष्पा राजपूत

विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट

www.vbriudaipur.org

राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के एक दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन सरस्वती वंदना से किया गया। जिन विद्यार्थियों का राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीयन नही हुआ, उनका पंजीयन किया गया। महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. मनोज राजगुरु ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यों से परिचित करवाते हुए उनमें सहयोग की भावना लाने का उद्बोधन दिया। विशिष्ट अतिथि एचडीएफसी बैंक के लोकेश गुप्ता ने रक्तदान की जीवन में महत्ता पर चर्चा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को जीवन में रक्त की उपयोगिता व रक्तदान से होने वाले दोहरे फायदे की बात कही। कार्यक्रम में दोनों इकाइयों के 110 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया व महाविद्यालय परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई का कार्य किया।

इग्नू का स्थापना दिवस

इग्नू का 31वां स्थापना दिवस उदयपुर अध्ययन केन्द्र पर मनाया गया। कार्यक्रम में जोधपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों ने भाग लिया। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ममता भाटिया ने इग्नू विश्वविद्यालय की जानकारी दी। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मुख्तीयार अली ने इग्नू में संचालित पाठ्यक्रम के बारे में बताया। अतिथियों का स्वागत उदयपुर केन्द्र के समन्वयक लक्ष्मणसिंह राजपूत ने व धन्यवाद सह समन्वयक डॉ. सबा खान ने दिया।

अन्तर महाविद्यालयी खेल सप्ताह

महाविद्यालय में आयोजित खेल सप्ताह में छात्रों के लिए क्रिकेट, वॉलीबाल, कबड्डी एवं छात्र वर्ग हेतु खो-खो प्रतिस्पर्धाएं रखी गई। इन्डोर खेलों में छात्र-छात्रा दोनों वर्गों हेतु केरम, शतरंज, बेडमिण्टन प्रतियोगिताएं, एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 1500 मीटर दौड़ रखी गई। 100 मीटर दौड़ में रमाकांत चौबीसा प्रथम रहे। क्रिकेट में कला संकाय तृतीय वर्ष, कबड्डी में वाणिज्य तृतीय वर्ष की टीम, वॉलीबाल में स्नात्तकोतर की टीम विजेता रही। छात्र वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता में दिव्या सिंह राव की टीम विजेता रही। क्रिकेट में शंकर डांगी, वॉलीबाल में जितेन्द्र डांगी तथा कबड्डी में राजेश गायरी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। छात्र वर्ग में खो-खो की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दिव्या सिंह राव रही।

विश्वविद्यालय स्तर पर शानदार प्रदर्शन

महाविद्यालय की लगभग 10 टीमों ने विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया जिसमें से वॉलीबाल टीम उपविजेता रही। जितेन्द्र डांगी एवं अमन तिवारी ने विश्वविद्यालय स्तर पर चयनित होकर पाटन विश्वविद्यालय, गुजरात में विश्वविद्यालय टीम का प्रतिनिधित्व किया। महाविद्यालय के छात्र सुन्दर गायरी का चयन हैण्डबाल में हुआ। उन्होंने विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय, उदयपुर में अन्तर विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता में भाग लिया।

महाविद्यालय की तीरंदाजी टीम विश्वविद्यालय स्तर पर उपविजेता रही तथा तीन छात्र रामकिशोर, विकास शर्मा व सुनील रक्षक का चयन विश्वविद्यालय स्तर पर हुआ जो फरवरी, में कृष्णा विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। अन्तर महाविद्यालय स्तर पर महाविद्यालय के छात्र नागेन्द्र सिंह राव जूड़ो में उपविजेता रहे।

शुभम पालीवाल प्रथम

रिसेंट ट्रेन्डस इन बैंकिंग विषय पर कॉमर्स विभाग के बीबीए के विद्यार्थियों के लिए सेमीनार आयोजित किया गया। जिसमे बीबीए तृतीय सेमेस्टर के शुभम पालीवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वाणिज्य प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित केशलेस इकॉनोमी विषयक निबन्ध प्रतियोगिता में महेन्द्र पालीवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इंटरनेशनल साईंस कांग्रेस की पुणे में आयोजित 6ठीं अन्तराष्ट्रीय कान्फ्रेन्स में महाविद्यालय की रसायन विज्ञान विभाग की व्याख्याता डॉ. दक्षा शर्मा को बेस्ट पोस्टर प्रेजेन्टेशन का अवार्ड मिला।

मुक्ता अग्रवाल को पीएच.डी.

महाविद्यालय की कम्प्यूटर साइंस विभाग की व्याख्याता डॉ. मुक्ता अग्रवाल को कम्प्यूटर साइंस में पेसीफिक यूनिवर्सिटी ऑफ हायर एज्यूकेशन के तत्वावधान में पीएच. डी की उपाधि दी गई।

दो विद्यार्थी आर्कगेट में चयनित

महाविद्यालय के कमप्यूटर विज्ञान विभाग के छात्र मनोज कुमार सेन व गौरव साहू को उदयपुर आई टी पार्क स्थित आर्कगेट कम्पनी में साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिताओं का आयोजन

राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय राज-व्यवस्था पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में दीपक शर्मा और रोहित शर्मा प्रथम रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा ही भारत में अलगाववाद विषय पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में कृष्णकांत सोलंकी प्रथम रहे।

रिपोर्टर : डॉ. सुषमा जैन

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर रोवर्स

विद्या भवन पॉलिटेक्निक कॉलेज

www.vbpolytechnic.org

तकनीकी कार्यशालाएं एवं भ्रमण

तकनीकी कार्यशालाएं एवं विजिट इंजीनीयरिंग पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु महाविद्यालय में भूकंपरोधी संरचनाओं, कंक्रीट मिक्स डिजाइन, महाराणा भूपाल चिकित्सालय की निर्माणाधीन सुपर स्पेशयलिटी विंग का तकनीकी भ्रमण, सिविल व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभिन्न सॉफ्टवेयर एवं ऑटोकैड, सी.एम.एस. एवं मोबाइल एप्लीकेशन डवलपमेन्ट तथा मोटर वाइन्डिग एवं पेनल वायरिंग पर कार्यशालाएं हुईं

नैत्र जांच एवं परामर्श शिविर

संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं ए.एस.जी. नैत्र चिकित्सालय के संयुक्त तत्वाधान में नैत्र जांच एवं परामर्श शिविर लगा। महाविद्यालय के विद्यार्थियों व कार्यकर्ताओं की नैत्र जांच की गई व परामर्श दिया गया।

बैडमिन्टन स्पर्धा का आयोजन

महाविद्यालय में छात्राओं की बैडमिन्टन स्पर्धा के फाइनल मैच में कम्प्यूटर विभाग की प्रथम वर्ष की छात्र मनाली गुहिल विजेता रही।

अभिभावक– अध्यापक मीटिंग

विद्यार्थियों की प्रगति से अवगत करवाने हेतु अभिभावक-अध्यापक मीटिंग में 250 अभिभावकों ने शिरकत की। अभिभावकों से सकारात्मक सुझाव भी प्राप्त हुए मीटिंग में विद्यार्थियों से जुडे मुद्दो पर चर्चा की गई।

सब्जेक्टिव होगी परीक्षा

तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा पॉलिटेक्निक परीक्षा को 100 प्रतिशत ऑब्जेक्टिव करने का निर्णय लिया गया था। संस्थान ने तकनीकी शिक्षा के हित में इस निर्णय को अदूरदर्शी व गलत बताते हुए चेतना जागृत की व सरकार तक अपनी बात पहुंचाई। एआईसीटीई के अध्यक्ष अनिल दत्तात्रेय सहस्त्रबुद्ध ने पॉलिटेक्निक के आग्रह पर राज्य सरकार को पत्र लिखा। इन प्रयासों के फलस्वरूप, अन्ततोगत्वा तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक की परीक्षा पूर्ववत 100 प्रतिशत सब्जेक्टिव आयोजित करने का निर्णय लिया।

उन्नत भारत अभियान हेतु चयन

उन्नत भारत अभियान एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में पॉलिटेक्निक का चयन किया गया।

नशा नाटिका का मंचन

महाविद्यालय में लघु नशा मुक्ति नाटिका का मंचन हुआ। नशा उन्मूलन अभियान में लगे डा. पी.सी. जैन के निर्देशन में मंचित इस नाटिका में विद्यार्थियों और डा. जैन ने अभिनय किया। डा. जैन ने नशे की डिजायर को टालने, दूर रहने, खूब पानी पीने व प्राणायाम करने की सलाह दी।

प्रो. पीटर की विजिट

प्रो. पीटर पटेल बिजनेस मेनेजमेन्ट सलाहकार, इनसीड बिजनेस स्कूल फ्रांस से एम.बी.ए. म्यूनिख युनिवरसिटी से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त, लंदन निवासी समाजसेवी डा. पीटर ने अध्यक्ष अजय. एस. मेहता के साथ पॉलीटेक्निक संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन किया।

स्मार्ट इन्डिया हेकथॉन

भारत सरकार की स्मार्ट इन्डिया हेकथॉन कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता व डॉ. दीपक गुप्ता ने भाग लिया।

विवेकानन्द प्रतियोगिता

विवेकानन्द केन्द्र द्वारा महाविद्यालय में 'उठो-जागो' युवा प्रेरणा प्रतियोगिता में 76 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने योग, प्राणायाम एवं स्वाध्याय, खेल-खेल में पढ़ाई का ज्ञान लिया। महाविद्यालय के 6 विद्यार्थियों ने भीलवाड़ा में आयोजित 5 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर में भाग लिया।

महिला सुरक्षा पर चर्चा करते विशेषज्ञ

महिला सुरक्षा, सामाजिक विश्वास

शहर में हुए एक हत्या कांड ने मोहल्ले, कॉम्प्लेक्स, कॉलोनी में रह रहे लोगों सहित कार्यस्थलों पर अविश्वास व भय उत्पन्न कर दिया है, जो एक स्वस्थ एवं गतिशील समाज के लिए सही स्थिति नहीं है। वहीं परिवार, समाज, शिक्षण संस्थान, कार्यस्थल पर सामाजिक, और यौन कुंठाओं सहित अन्य मानसिक विकृतियों से ग्रसित लोगों की पहचान कर उनको सलाह, मार्गदर्शन, उपचार की एक प्रभावी व्यवस्था, रीति, तरीकों पर भी आम जन की जाग्रति जरुरी हैं। किशोरियों एवं युवा महिलाएं किस प्रकार कुत्सित मानसिकता से सावधान रह सकती है। ऐसे सभी मुद्दों पर समझ बढ़ाने हेतु पॉलीटेक्निक में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में गहन मंथन कर आम जन के लिये रचनात्मक समाधान प्रस्तुत किये गए। कार्यशाला में गीतांजलि मेडीकल कॉलेज के क्लिनिकल सायकोलोजिस्ट डॉ. डी. एम. माथुर एवं डॉ. शिखा शर्मा, समाजशास्त्र डॉ. गायत्री तिवारी एम. पी. यू. ए. टी. से, अधिवक्ता सुशील कोठारी, डॉ. नेहा दमानी, डॉ. दीप्ती शर्मा, जेल सुप्रिंटेन्डेंट प्रीता भार्गव व पुलिस अधिकारी राजेन्द्र जैन और रविन्द्र चारन, शिक्षाविद डॉ. एम. पी. शर्मा, डॉ. सुषमा तलेसरा सहित शिक्षाविदों ने भाग लिया।

रिपोर्टर : सोनू हिरावत

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

www.vbpsk.org

प्रकृति का संतुलन हमारा दायित्व

प्रकृति को संतुलित रखना हो तो हम सबको इसका सम्मान करना होगा। सभी जीव चाहे छोटे हो या बडे उन सबका प्रकृति में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान होता है, छिपकली, मेंढक मच्छरों को खाते है, पक्षी कीट को खाते हैं और ये सब पारिस्थिक तंत्र का एक स्वरूप हैं, इसी प्रकार चूहे बिल बनाकर जमीन को छिद्रित करते हैं तथा वर्षा का जल जमीन में चला जाता है जिससे जल स्तर बढ जाता हैं। ये विचार विषय विशेषज्ञ डॉ. सतीश शर्मा पूर्व सहायक वन अधिकारी ने भीलों का बेदला स्थित विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र पर आयोजित एक दिवसीय नेचर ट्रीप पर व्यक्त किए। नेचर ट्रीप में विद्या भवन पब्लिक स्कूल के 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों को जैव विविधता की महत्व को समझाया। प्रारंभ में विद्यार्थियों को प्रकृति साधना केन्द्र पर ट्रेकिंग करते हुये डॉ. आर एल श्रीमाल ने वनस्पति की उपयोगिता एवं पहचान संबंधी जानकारी दी। यह नेचर ट्रीप प्राचार्या नीरजा जैन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस मौके पर अध्यापिका चंद्रकांता एवं रितु शर्मा भी उपस्थित थीं।

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. सतीश शर्मा

रोवर्स का शिविर

प्रकृति के अच्छे वातावरण में रह कर अपनी जीवन शैली को नया आयाम दिया जा सकता है तथा शान्त वातावरण में रहकर एकाग्रता द्वारा अपने लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। ये विचार रोवर्स प्रभारी डॉ. श्रीराम आर्य ने केन्द्र पर आयोजित एक दिवसीय रोवर्स के शिविर में व्यक्त किए। शिविर में विद्या भवन रूरल इंस्टीट्यूट रोवर्स इकाई ने भाग लिया। डा. आर्य ने बताया कि यह इकाई एकमात्र उदयपुर में स्थित है जो कि विद्या भवन रूरल इन्स्टीट्यूट में संचालित हो रही है। इस इकाई में 24 विद्यार्थी पंजीकृत हैं तथा इन्हें राष्ट्र के प्रति समर्पण, निर्माण एवं अनुशासन संबंधी प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। प्रशिक्षण एवं दीक्षा संस्कार के पश्चात् विद्यार्थियों को एक पंजीकृत गणवेश प्रदान की जाती है। रोवर्स की स्थापना शिक्षाविद् डा. मोहन सिन्हा मेहता ने की थी। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए चन्द्रवीर सिंह ने कहा कि इस प्रकार के शिविर प्रकृति में रहकर विषय के अलावा विभिन्न प्रकार की वनस्पति एवं पक्षियों के स्वभाव के बारे में भलीभांति विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है। इस मौके पर विद्यार्थियों ने श्रमदान किया।

रिपोर्टर : डॉ. रमणीक लाल श्रीमाल

विद्या भवन आँगनवाड़ी कार्यकर्ता प्रशिक्षण केन्द्र

विधिक चेतना अभियान

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक चेतना अभियान सप्ताह मनाया गया। जज लोकेश कुमार शर्मा और उनकी टीम ने केन्द्र पर कार्यकर्त्ताओं को 'राजस्थान पीड़ित प्रतिकार स्कीम-2011' की जानकारी देते हुए बताया कि आमजन में विधिक जागरुकता लाने के लिए तथा पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम पारित किया गया।

विश्व खाद्य दिवस

खाद्य एवं पौषण विभाग द्वारा केन्द्र पर विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। प्रभारी अधिकारी एस. सी. जैन ने बताया कि यह दिन विश्व में लोगों को खाद्यान्न की महत्ता को समझने और उसकी बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित करता है। इस मौके पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया। केन्द्र की प्राचार्या हरिबाला शर्मा, ने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किए।

बिना मौसम के फलों का मजा

खाद्य एवं पौषाहार विभाग द्वारा आयोजित 5 दिवसीय परिरक्षित प्रशिक्षण में 31 कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। केन्द्र सरकार के खाद्य एवं पौषण बोर्ड ईकाई द्वारा प्रमाण पत्र दिया गया ताकि भविष्य में अपना लघु उद्योग आरम्भ कर सके। इस मौके पर खाद्य परिरक्षण के महत्त्व पर जानकारी के साथ-साथ बिना मौसम के फलों व सब्जियों के व्यंजन अलग-अलग तरीकों से परिरक्षित करना भी सीखा।

विडीयो कॉन्फ्रेन्स में भाग लिया

समेकित बाल विकास सेवा योजना, जयपुर द्वारा आयोजित आंगनवाड़ी पाठशाला पायलेट प्रोजेक्ट के ऑन लाईन विडीयो कॉन्फ्रेन्स प्रशिक्षण में केन्द्र की अनुदेशिका मधु धायभाई ने भाग लिया। कॉन्फ्रेन्स उप निदेशक कार्यालय, कलेक्ट्री परिसर में आयोजित हुई।

पाठशाला पायलेट प्रोजेक्ट प्रशिक्षण

महिला एवं बाल विकास विभाग, जयपुर के आदेशानुसार पायलेट प्रोजेक्ट के तहत् 2 दिवसीय प्रशिक्षण केन्द्र पर लगा। प्रशिक्षण में बड़गांव परियोजना की बेदला सेक्टर की कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। अनुदेशिका मधु धायभाई ने कम्प्यूटर द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया।

साथिन प्रशिक्षण

महिला अधिकारिता विभाग, उदयपुर की

शेष पृष्ठ 10 पर...

विद्या भवन गोविन्दराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय

www.vbgstc.org

शोध उपकरण निर्माण कार्यशाला

सीटीई विभाग में दो दिवसीय राज्य स्तरीय शोध उपकरण निर्माण कार्यशाला में शोधार्थियों ने आणंद, गुजरात से आए विषय विशेषज्ञ प्रो. पल्लवी पी. पटेल, डॉ. अभिषेक पटेल तथा डॉ. उषा देवी शारदा से शोध उपकरण निर्माण तथा उनका मानकीकरण करना तथा आइटम्स निर्माण करना सीखा। इसके साथ ही जो आइटम बनाए उसमें किस तरह की गलतियां की उन्हें पहचानते हुए दूर किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक प्रो. डी. एन. दानी ने कहा कि हमें चिंतन करना होगा कि हमारे शोध की क्या उपयोगिता है? उन्होंने कहा कि पीएचडी तो शोध सीखने की प्रथम सीढ़ी है। जब तक आप पुस्तक में फिर से नहीं पढ़ेंगे कार्यशाला का लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशाला में राज्य के विभिन्न जिलों से 90 शोधार्थियों, डाइट एवं शिक्षक महाविद्यालयों के व्याख्याताओं तथा एम.एड. के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अध्यापकों में तैयार हो गांधी

महाविद्यालय का स्नेह मिलन समारोह विद्या भवन बुनियादी विद्यालय, बड़गांव में मनाया गया। मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक डॉ. प्रीता भार्गव ने कहा कि हम सभी को मिल कर ऐसे समाज को तैयार करना है जिसकी कि वास्तव में आज जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में संवेदनहीनता की व्यापकता है। इस चुनौती का सामना करने के लिए हमें साथ मिल कर खड़ा होना होगा तथा सभी को मन से प्रयास करने होंगे। विशिष्ट अतिथि विद्या भवन शिक्षक महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक प्रो. डी.एन. दानी ने विद्यार्थियों को बधाई दी कि उन्होंने संसार के एक महत्वपूर्ण व्यवसाय को चुना है। निदेशक प्रो. दिव्य प्रभा नागर ने कहा कि वर्तमान समय में हमारे सामने चारो तरफ से अलग-अलग चुनौतियां एवं प्रहार हो रहे हैं। इसने पूरे विश्व समुदाय को खतरे में डाल दिया है। उन सभी का सामना करते हुए हमें एक सुन्दर समाज और संस्कृति का निर्माण करना है। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यार्थियों ने खेल एवं अन्य गतिविधियों में भाग लिया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

राज्य स्तरीय शोध उपकरण निर्माण कार्यशाला में चर्चा करते हुए।

स्नातक परिषद सम्मेलन

किसी भी गौरवशाली संरक्षक का वर्तमान उसके अतीत से पौषित होता है। अतीत की जागरूकता पर वर्तमान एवं भविष्य की समृद्धता आधारित होती है। अतीत के आदर्शों के साथ एवं मार्गदर्शन में वर्तमान को सही दिशा देकर भविष्य को उज्जवल बनाया जा सकता है। ये विचार प्रो. ए.बी. फाटक ने स्नातक परिषद् सम्मेल एवं महाविद्यालय के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किया। उन्होंने स्नातकों का आह्वान किया कि वे न केवल स्नातक परिषद से जुड़े बल्कि उसे ताकतवर बनाने की भी कोशिश करें साथ ही इसकी प्रत्येक गतिविधि में हिस्सा भी लें। कार्यक्रम में प्रो. डी.एन. दानी ने स्नातक परिषद के उद्देश्य बताए तथा कहा कि स्नातक परिषद के संविधान में आवश्यक परिवर्तन किए जाए। उन्होंने कहा कि परिषद को सुदृढ बनाने के लिए लगातार सुझाव आए तो ज्यादा प्रभावी होगा।

नक्शा टांगने से नहीं पढ़ने से आता है

वास्तव में कठिनाई निवारण के लिए ही नक्शा बना है। हम नक्शे का उपयोग नहीं करते इसलिए हमें कठिन लगता है। नक्शे को टांगने से नहीं पढ़ने से जानकारी होती है। नक्शा बच्चों की पहुंच में होगा और व्यवहार में लाया जाएगा तभी बच्चे नक्शा पढ़ना सीखेंगे। यह बात वि.भ.गो.से. शिक्षक महाविद्यालय में मानचित्र पठन कौशल विषय की कार्यशाला में उभर कर आई। कार्यशाला में भूगोल, इतिहास, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषय के 25 बी.एड. के छात्राध्यापकों ने भाग लिया। प्राध्यापक डॉ गिरीश शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में छात्राध्यापकों ने मानचित्र के तत्वों शीर्षक, दिशा, पैमाना और संकेत के बारे में जाना तथा इनके आधार पर मानचित्र पढ़ने की बारीकियां सीखीं।

सीखा स्थानीय परिवेश का जुड़ाव

संस्था का पांच दिवसीय वनशाला शिविर पाली जिले के सोनाणा खेतलाजी में लगा। शिविर की थीम 'क्लीन इंडिया, ग्रीन इंडिया' रखी गई है। थीम के आधार पर छात्राध्यापकों ने अपने विषय के अनुसार शिक्षण योजना बनाई है। इस आधार पर छात्राध्यापकों ने स्थानीय सोनाणा खेतलाजी गांव में सर्वे तथा सामुदायिक कार्य कर सीखा कि कैसे कक्षा शिक्षण में स्थानीय परिवेश को जोड़ा जा सकता है। सभी विषयों द्वारा किए गए कार्यों की एक साझा रिपोर्ट बना कर अंतिम दिन शिविर स्थल पर प्रदर्शनी लगाई गई। प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, केम्प फायर तथा शाम-ए-तरन्नुम जैसी गतिविधियों का आयोजन तथा योग, प्रार्थना, मौन वेला तथा विभिन्न सेवाओं में ड्यूटी देने के साथ 'लर्निंग टू लिव टूगेदर' की अवधारणा को आत्मसात किया।

रिपोर्टर : संतोष उपाध्याय

मानव संसाधन एवं विधि विभाग

विद्या भवन संस्थाओं में नये कर्मचारियों की नियुक्ति

विद्या भवन संस्थाओं में निम्नलिखित नये कर्मचारियों की नियुक्ति की गई-

क्र.सं.	नाम कर्मचारी	पद		संस्था का नाम
1.	राजेन्द्र कुमार मीणा	अध्यापक	पार्ट-टाइम	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
2.	नेहा मुर्डिया	व्याख्याता	संविदा	विद्या भवन एस.टी.सी.
3.	किरणबाला शर्मा	अध्यापक	संविदा	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
4.	अखिलेश चौहान	व्याख्याता	संविदा	विद्या भवन पब्लिक स्कूल
5.	रविकांत जोशी	सहा. लेखाकार	संविदा	वि. भ. कृषि विज्ञान केन्द्र
6.	डॉ. सुरभि आर्य	अध्यापक	नियमित	विद्या भवन सी.सै.स्कूल
7.	शिवराज सिंह आशियां	अध्यापक	संविदा	वि.भ.सी.सै. स्कूल, रामगिरि
8.	तृप्ती राठौड़	व्याख्याता	-	वि.भ. रूरल इंस्टीट्यूट
9.	निशा गुप्ता	सहा. लेखाकार	नियमित	विद्या भवन सोसायटी

खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

अजय सिंह मेहता, अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी ने दिनांक 11.11.2016 को प्रातः 8 बजे विद्या भवन संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों के दो दिवसिय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। दिनांक 11 एवं 12 नवम्बर को समस्त महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने विभिन्न एकल व सामूहिक अर्थलेटिक एवं फिल्ड खेल-कूद मसलन 100 मीटर रेस, चम्मच रेस, रस्साकशी, डोजबॉल, टेबल टेनिस, बेडमिंटन, केरम में उत्साह पूर्वक भाग लिया।

दिनांक 12 नवम्बर 2016 को तीन बजे से विद्या भवन ऑडीटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम में एकल गान, समूह गान, वाद्यसंगीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य एवं लघु नाटक, कविता पाठ इत्यादि में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों ने प्रस्तुति दी।

दोनों दिवसों पर कर्मचारियों के लिये प्रातःकाल चाय-नाश्ता एवं दोपहर में भोजन व्यवस्था की गई थी।

छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि वितरण

दिनांक 20.12.2016 को विद्या भवन सीनियर सैकेण्डरी स्कूल के असेम्बली हॉल में निम्नलिखित छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि (कुल राशि रू. 416900/-) का चयनित 46 छात्र-छात्राओं में वितरण अजय सिंह मेहता, अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी, जसवन्त आँचलिया, रेवती रमण श्रीमाली, एस.पी.गौड़, व्यवस्था सचिव की मौजुदगी में वितरण किया गया।

1 **एन.के.एस. मार्शल फण्ड**: रू.10000/- प्रति छात्र की दर से कुल 8 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई

2 **जॉन बिसेल स्कालरशिप फण्ड**: कुल 17 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई

3 **डफलास स्कालरशिप फण्ड**: कुल 19 छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी गई

विभिन्न बैठकें

निम्नलिखित विभिन्न समितियों की बैठक अक्टूबर से दिस्म्बर 2016 की अवधि में अध्यक्ष विद्या भवन सोसायटी की अध्यक्षता में हुई-

विद्या भवन शैक्षणिक सलाहकार समिति -दिनांक 15.12.2016

उक्त वर्णित समितियों के अतिरिक्त शैक्षणिक संस्था प्रमुख एवं सांस्कृतिक एवं कला के अध्यापकों के साथ स्कूल फिस एवं संस्था के स्तर पर सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने हेतु वार्तालाप एवं विचार विमर्श किया गया।

रिपोर्टर : ज़ाहिद मोहम्मद

...पृष्ठ 8 का शेष

ओर से केन्द्र पर 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण लगा। प्रशिक्षण में 53 साथिनों ने भाग लिया। जिला महिला विकास अधिकारिता विभाग की कार्यक्रम अधिकारी रश्मि कौशिक सहित 4 प्रचयेताओं ने प्रशिक्षण का संचालन किया।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण में भागीदारी

जिला स्तरीय आयोजित आईसीडीएस सिस्टम स्ट्रेन्दनिंग एंड न्यूट्रेशन इंप्रूवमेंट प्रोग्राम के तहत क्षेत्रीय रिसोर्स ग्रुप को यूनीसेफ द्वारा निर्देशित मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में उप निदेशक, बाल विकास परियोजना अधिकारी, उदयपुर महिला पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण आंगनवाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र की अनुदेशिका वर्षा चौधरी और डिस्ट्रीक्ट रिसोर्स ग्रुप द्वारा करवाया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण केन्द्र पर 2 कार्यकत्ताओं के पुनश्चर्या प्रशिक्षण, 3 सहायिकाओं के पुनश्चर्या प्रशिक्षण, 2 सहायिका अनुशिक्षण प्रशिक्षण व 1 कार्यकर्त्ता के कार्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षणों में सिरोही, प्रतापगढ़ व चित्तौड़ जिले की कुल 309 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को अतिथि वक्ता बाल विकास परियोजना अधिकारी हर्षा शर्मा, डॉ. गायत्री तिवारी, जूनियर साईंन्टिस्ट, गृह विज्ञान महाविद्यालय, लोकेश कुमार शर्मा, जिला विधिक सहायता, संतोष माथुर, मध्य स्तरीय प्रशिक्षण केन्द्र, गृह विज्ञान महाविद्यालय, माया दीक्षित, महिला पर्यवेक्षक, अनुराधा गेमावत, महिला पर्यवेक्षक, डॉ. अरविन्द मेहता, चिकित्सा अधिकारी, रेशमा वर्मा, ने विषय-वस्तु की जानकारी के साथ ही उनके कार्य संचालन में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की व समाधान हेतु सुझाव दिए गए।

रिपोर्टर : नरेश राव

विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान

www.vbgies.org

जीवन के लिए जरूरी गांधी

गांधी-शास्त्री जयंती सप्ताह पर संकाय सदस्य डॉ. मोहनलाल जाट द्वारा 'कला और कार्य शिक्षा' कार्यशाला हुई। विद्यार्थियों में एकाग्रता, सौन्दर्यात्मक एवं कलात्मक संवेदना, चित्रात्मक व तक्षणात्मक अनुभव से कल्पना का विकास करने के लिये ध्यान, स्वच्छता आधारित पोस्टर निमार्ण, वेस्ट ढक्कनों से शिक्षाप्रद आकृति रचना सहित अनके गतिविधियां करवाई गई। विद्यार्थियों ने जेन्डर, स्वच्छता, भ्रूण हत्या, राजस्थान की संस्कृति, गांधीजी, चरखा सहित कई सुंदर रचनाएं बनाई। गांधी व शास्त्री के विचारों की समझ विकसित करने के लिए उनके जीवन से जुड़ी घटना, गृहकार्य में उनके योगदान, उनको प्रभावित करने वाले आदर्श शिक्षक की विशेषताओं के अनुभव साझा किए गए। कार्यशाला से विद्यार्थियों ने गांधी की 3 एच शिक्षा को आज के संदर्भों में समझने का प्रयास किया।

सिक्योर मीटर्स के नरेन्द्र शर्मा ने विद्यार्थियों को गांधी के सिद्धांतों पर चर्चा की। हेनरी मार्टिस इन्स्टीट्यूट के क्षेत्रीय फेसिलिटेटर अब्दुल हकीम अंसारी द्वारा विद्यार्थियों में हिंसा के विविध पक्षों की समझ विकसित करने के लिए कई सामूहिक खेल खिलवाए।

डॉ. कंवरराज द्वारा पत्र वाचन

डॉ. कंवरराज सुथार द्वारा भुपाल नोबल्स पी.जी. कन्या महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में "नई विकास योजनाएं और समाज में जागरुकता का स्तर" विषयक पत्र वाचन किया।

संस्कृत शिक्षण माड्यूल निर्माण

संकाय सदस्य डॉ. सरिता जैन ने एस.आई. ई.आर.टी में आयोजित उच्च प्राथमिक स्तर की संस्कृत शिक्षण प्रशिक्षण मॉड्यूल निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।

कैसे करें केस स्टडी व एक्शन रिसर्च

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार जैन ने विद्यार्थियों को केस स्टडी व क्रियात्मक अनुसंधान की प्रक्रिया बताई। इससे द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को विद्यालयों में चार माह के इन्टर्नशिप अभ्यास के दौरान केस स्टडी व कक्षा शिक्षण अधिगम समस्याओं पर क्रियात्मक अनुसंधान करने में मदद मिलेगी।

शिक्षक हो सशक्त डिजीटली

सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ श्रीराम पांडे ने विद्यार्थियों को डिजीटल इंडिया कार्यक्रम के विजन एवं स्तम्भों के बारे में बताया। उन्होंने ई-मंडी, ई-न्यायालय, ई-चिकित्सालय, ई-लॉकर पर चर्चा की।

लिबर्टी, फ्रीडम और क्रिटीकल थींकिंग

लंदन के प्रबंध सलाहकार डॉ. पीटर पटेल ने 'लिबर्टी, फ्रीडम व क्रिटीकल थींकिंग' विषय पर विद्यार्थियों को स्वतंत्रता के ऐतिहासिक परिदृश्य से परिचित कराते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से बेहतर समाज की रचना हो सकती है। उन्होंने कहा कि संघर्षों व परिश्रम से प्राप्त आजादी के लिए व्यक्तिगत चिंतन व विवेक जरुरी है। लोगों को सोचने व चिंतन सीखाने की प्रकिया में दूसरे के विचारों को सुनना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक विषय पर बहस व विपरित पक्ष को सुनना जरुरी है। जिससे 'कन्फेरमेशन बायस' से बचा जा सके और समालोचनात्मक चिंतन विकसित किया जा सकें।

डॉ. मोहनलाल सम्मानित

राजस्थान ललित कला अकादमी-जयपुर एवं उदयपुर जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित 19 वें कला मेले में उत्कृष्ठ संस्थापन कला प्रदर्शन हेतु डॉ. मोहनलाल जाट को सम्मानित किया गया। उन्होंने राज्य स्तरीय महाविद्यालय चित्रकला प्रतियोगिता का संयोजन किया। उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय के वेटेरनरी एवं ऐनिमल सांइसेज, बीकानेर द्वारा आयोजित अन्तर महाविद्यालय युवा महोत्सव 2016 में ललित कला संबधित प्रतियोगिताओं का निर्णयन भी किया। डॉ. जाट का चयन अंतर्राष्ट्रीय छापाकला एक्सचेंज कार्यक्रम 2016 के लिए किया गया है। आई सी एसी अन्तर्राष्ट्रीय क्रियेटिव आर्ट सेन्टर मुम्बई द्वारा मुम्बई में लगी प्रदर्शनी में डॉ. जाट की 25 छापा कला कृतियों का प्रदर्शन किया गया।

स्व की समझ कार्यशाला

महाविद्यालय व सुखाड़िया विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय व मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय सभागार में "स्व की समझ" विषयक कार्यशाला का आयोजन द्वितीय वर्ष विद्यार्थियों हेतु किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने स्व से जुड़े आत्म पहचान, आत्म दक्षता, आत्मसम्मान, आत्मप्रत्यय की जानकारी और इन प्रत्ययों का मापन करने की प्रकिया भी सीखी। प्राचार्या डॉ. सुगन शर्मा ने कहा कि स्व की पहचान में परामर्श व निर्देशन महत्वपूर्ण है जिससे व्यक्ति का सही विकास हो सके। विद्या भवन सोसायटी अध्यक्ष अजय मेहता ने कहा कि स्व व समाज की पहचान में अंतर संबंध होता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता

विद्या भवन कार्यकर्ता खेलकूद प्रतियोगिता की केरम बोर्ड प्रतियोगिता में संकाय सदस्य सुषमा इन्टोदिया एवं डॉ. कनिज फातिमा ने सेमीफाइनल खेला। रस्साकस्सी में पुरुष व महिला वर्ग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व वॉलीबाल प्रतियोगिता में डॉ. मोहनलाल जाट सर्वश्रेष्ट खिलाड़ी चुने गए। चम्मच रेस में डॉ. तारा कुमावत सेमीफाइनल तक पहुंची। सांस्कृतिक कार्यक्रम में वीणा लौहार, डॉ. सरिता जैन तथा रमेश मेघवाल ने भाग लिया।

रिपोर्टर : कुमुद पुरोहित

डॉ. मोहन लाल जाट को सम्मानित करते अतिथि

विद्या भवन कला संस्थान बी.एस.टी.सी.

विद्यालय स्थानाबद्ध कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों हेतु 112 दिवसीय स्कूल स्थानाबद्ध कार्यक्रम हेतु उनके गृह-जिले में भेजने से पूर्व स्थानीय विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा विभिन्न कार्यों को करने हेतु आवश्यक निर्देश, रिकॉर्ड संधारित करना तथा अंक विभाजन समझाया गया। सभी विद्यार्थी शिक्षकों को जिला शिक्षा अधिकारी को दिये जाने वाले आवश्यक दस्तावेज दिये गये। विषयाध्यापकों ने सत्रीय कार्य लिखवाया।

प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम

विद्यालय अवलोकन कार्यक्रम के अन्तर्गत पांच सहयोगी विद्यालयों से प्राप्त अनुभवों की अभिव्यक्ति हेतु महाविद्यालय में प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में सहयोगी विद्यालय अवलोकन के प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण विद्यार्थी शिक्षकों ने किया। शाला प्रबन्धन, भौतिक व मानवीय संसाधन, कक्षा शिक्षण, एस.एम.सी. मिडे-डे-मील, खेल का मैदान, अध्यापक विद्यार्थी सम्बन्ध प्रस्तुतीकरण के पश्चात् प्रश्नोत्तरी हुई अध्यक्षता मीना कालरा ने तथा संचालन व आभार डॉ. पूनम दवे ने किया।

शनिवारीय गतिविधि

आशुभाषण- विद्यार्थी शिक्षकों की मौखिक अभिव्यक्ति एवं नवाचार युक्त प्रकरण पर तत्काल बोलने की अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता हुई जिसमें जितेन्द्र सिंह राजोत प्रथम रहे।

समूह गीत- विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा समूह गीत का चयन, आपसी सामंजस्य, लय व आत्मविश्वास को परखने के लिए समूह गीत प्रतियोगिता हुई। प्रथम अनिल कुमार व पार्टी रही।

रंगोली प्रतियोगिता- विद्यार्थी शिक्षकों द्वारा रंगों का संयोजन, समूह की भावना व सृजनात्मकता को जानने के लिए रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थी शिक्षकों ने विभिन्न विषयों पर रंगोली बनाई। प्रथम स्थान जालमसिंह व पार्टी ने प्राप्त किया।

स्वांग (मिमिक्री) प्रतियोगिता- विद्यार्थी शिक्षकों के द्वारा व्यक्ति विशेष का सूक्ष्म अवलोकन एवं अवलोकित छवि को हाव-भाव के द्वारा प्रदर्शित करने के उद्देश्य से मिमिक्री प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रथम स्थान रघीवरसिंह और अर्जुन डांगी ने संयुक्त रूप प्राप्त किया।

उत्सव जयन्तियां (गरबा महोत्सव)

महाविद्यालय परिसर में गरबा महोत्सव मनाया। विद्यार्थी शिक्षक रंग-बिरंगी वेशभूषा में डांडियों के साथ आए। संकाय सदस्यों ने गरबा खेलकर विद्यार्थी शिक्षकों का उत्साहवर्द्धन किया।

खेलकूद प्रतियोगिता

खेल प्रभारी हेमन्त त्रिवेदी के दिशा निर्देशानुसार प्रथम वर्ष के छात्रों में परिषद् अनुसार, खेल के नियमानुसार डॉस बॉल का अभ्यास मैच हुआ। तत्पश्चात परिषद् अनुसार डॉस बॉल मैच में विवेकानन्द व कलाम परिषद् ने फाइनल में प्रवेश लिया जिसमें विवेकानन्द परिषद् विजेता बनी।

क्रिकेट मैच- गुरुवारीय साप्ताहिक खेलकूद में प्रथम वर्ष व द्वितीय वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों में अभ्यास मैच कराया गया। द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने मैच जीता।

प्रथम वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के मध्य खेले गए अभ्यास मैच में रघुवीरसिंह की टीम ने टॉस जीतकर बारह ऑवर में 118 रन बनाए। जवाब में सवाईराम की टीम निर्धारित ओवरों में मात्र 111 रन ही बना पाई एवं मैच हार गई। रघुवीर सिंह (प्रथम) को मैन ऑफ द मैच मिला।

इसी प्रकार, बी.एस.टी.सी. प्रथम वर्ष एवं बी.एड. प्रथम वर्ष के मध्य खेले गए मित्रता मैच में बी.एस.टी.सी. प्रथम वर्ष के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित ओवरों में बी. एस.टी.सी. की टीम ने ईश्वर सिंह राठौड़ के अर्द्धशतक की सहायता से 122 रन का स्कोर बनाया एवं जवाब में बी.एड़. की टीम साठ (60) रनों पर ऑलआउट हो गई। सवाईराम ने छः विकेट लिए। ईश्वरसिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

बॉलीवॉल- प्रथम वर्ष के विद्यार्थी शिक्षकों के मध्य वॉलीबॉल मैच खेला गया। मैच में जितेन्द्र सिंह राजोत ने स्कोरर की भूमिका निभाई। रघुवीर सिंह की टीम ने मोती सुथार की टीम से 2-1 के अंतर से तीन मैचों की सीरीज जीत ली।

रिपोर्टर : पूनम दवे

मैं नारी हूं

मिला है अब वो सम्मान मुझे, जिसकी मैं अधिकारिणी हूं

मां–बहन–बेटी बनी हर घर की गृहस्वामिनी हूं, हर बचपन को दिया आंचल सब पर अपनी ममता लुटाई है।

जिस और चाहा मैंने उसी ओर अपनी राह बनाई है, हर बाधा को पार कर सकती है जो मैं वही शक्ति हूं।

अंतरिक्ष को नापा है मैंने सुनीता विलियम्स बनकर, हर अपराध दूर किया मैंने किरण बेदी बनकर।

कभी सायना, कभी साक्षी, कभी पी. वी. सिंधू के रूप में तपकर मैं आगे बढ़ी कभी छांव, कभी धूप में।

हार नहीं माननी है मुझे मन में मैं ये ठान रही हूं।

अबला नहीं सशक्त हूं, पर कभी जाना है कितनी, मैं सुरक्षित हूं, कभी कौरवों में तो कभी जन्मते ही मार दिया जाता है मुझे, किसी ने भाग्य समझा है तो किसी ने बोझ समझा है मुझे।

एक और आगे बढ़ रही तो कहीं मैं पिछड़ी हुई हूं। सुरक्षित रहे अस्तित्व मेरा, बना रहे गरिमापूर्ण जीवन मेरा, यही सोच इस अग्निपथ की मैं पथगामिनी हूं।

मैं नारी हूं।

रूचि शर्मा, अध्यापिका विद्या भवन पब्लिक स्कूल

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

www.vbkvk.org

रबी फसलोत्पादन पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा पांच दिवसीय आवासीय रबी फसलों की उन्नत तकनीक विषय पर प्रशिक्षण में उदयपुर जिले की 47 महिला कृषकों ने भाग लिया। रबी फसलोत्पादन में मौसम के पूर्वानुमान का महत्व एवं उपयोगिता, मृदा नमूना एकत्रित करना एवं मृदा स्वास्थ्य की उपयोगिता, गेहूं, चना, सरसों, रबी मक्का, रबी में हरा चारा उत्पादन, कृषकों के लिए राजस्थान सरकार की एवं बैंकों की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित करते हुए

विश्व मृदा दिवस का आयोजन

केन्द्र पर विश्व मृदा दिवस मनाया। मुख्य अतिथि मावली विधायक दलीचन्द डांगी ने उपस्थित कृषकों को विभिन्न किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कृषकों से आहवान किया गया कि मृदा जांच कराकर परिणाम के अनुरूप ही खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करें। साथ ही उन्हें मृदा स्वास्थ कार्ड बनवाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अंत में अतिथियों द्वारा चयनित कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिले के लगभग 400 कृषकों ने भाग लिया।

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरसों की उन्नत किस्म एन.आर.सी.एच.बी. 101 का 20 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 54 कृषकों के खेतों पर प्रदर्शन लगाया गया। इस किस्म का उदयपुर जिले में पहली बार इतने बड़े क्षेत्रफल में प्रदर्शन था। दलहन उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए चना की उन्नत किस्म जी.एन.जी.-1581 (गणगौर) का 20 हैक्टेयर क्षेत्रफल में 42 कृषकों के खेत पर चालू रबी मौसम में प्रदर्शन लगाया गया।

सीड हब

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कृषको को दलहनी फसलों की नवीनतम् उन्नत किस्मों का बीज आसानी से उपलब्ध करना है। केन्द्र को चालू रबी मौसम में 250 क्विंटल चना फसल उन्नत किस्मों का बीज उत्पादन का लक्ष्य आंवटित किया गया था। केन्द्र द्वारा जी.एन.जी.-158 (गणगौर) एवं जी.एन. जी.-1958 (मरूधरा) का बीज उत्पादन कार्यक्रम 41 कृषकों के खेतो पर 40.5 हैक्टेयर क्षेत्रफल में किया जा रहा है।

किचन गार्डन पर प्रदर्शन

केन्द्र ने ग्रामीण इलाकों में पोषण सुरक्षा के उद्देश्य से 110 किसानों के यहां किचन गार्डन के प्रदर्शन लगाए। इसके अन्तर्गत सहभागी किसानों को विभिन्न सब्जियों की पौध एवं बीज जैसे पालक, धनिया, मैथी, गोभीवर्गीय, चुकन्दर, मूली, टमाटर मिर्च गाजर आदि उपलब्ध करवाए गए। साथ उन्हें किचन गार्डन की रेखांकन, बनावट, रोपाई एवं बुवाई पर प्रशिक्षित भी किया गया। इस प्रदर्शन के परिणाम स्वरूप तीन माह पश्चात् प्रति परिवार सब्जियों की खपत में 100-125 प्रतिशत बढ़त पायी गई।

उल्लारी का प्रदर्शन

कृषक महिलाओं में निदाई-गुड़ाई के दौरान होने वाले अत्यधिक शारीरिक श्रम को ध्यान में रखते हुए केन्द्र ने 30 कृषक महिलाओं के साथ उन्नत निदाई-गुड़ाई यंत्र "उल्लारी" का प्रदर्शन लगाया। यह यंत्र पारंपरिक यंत्र कुदाली के तुलना में कम समय व थकान वाला पाया गया। इस यंत्र के उपयोग से महिलाओं को कमर झुका कर निंदाई-गुड़ाई करने से मुक्ति मिलेगी और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। पारंपरिक कुदाली तुलना में उल्लारी से 33 प्रतिशत समय की बचत हुई।

बागवान हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण

केन्द्र बडगांव द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं हेतु बागवानी पर इक्कीस दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण लगा। प्रशिक्षणार्थियों को संरक्षित संरचना तैयार करने के तरीके, थैली एवं गमलों के लिए मृदा मिश्रण कैसे तैयार करें, बीज की बुवाई के लिए क्यारियां तैयार करना, संवर्द्धन की विधियां, फायदें एवं नुकसान, कलम से पौधे तैयार करना, ग्राफ्टिंग एवं बडिग के लिए मूलवृंत तैयार करना, गार्डन के विभिन्न अंगों का ले-आउट तैयार करने के तरीके, वृक्षों की पहचान एवं लगाने का तरीका, एक वर्षीय पौधों की पहचान, गार्डन में फल एवं सब्जियों का चुनाव की जानकारी दी। प्रशिक्षण में उदयपुर संभाग के 20 बेरोजगार युवाओ ने भाग लिया।

कौशल विकास कार्यक्रम

केन्द्र द्वारा आयोजित सिलाई कौशल विकास पर 15 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण में 21 महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को विभिन्न प्रकार के ब्लाउज़ व सलवार सूट बनाने सिखाए गए। प्रशिक्षण में कागज़ पर ड्राफटिंग, कपड़े का चुनाव, माप लेना, सिलाई के प्रकार, कपड़ों की डिज़ायनिंग आदि विषय समाहित थे। प्रशिक्षणार्थियों को सिलाई मशीन का उपयोग एवं मरम्मत भी सिखाया गया। साथ ही महिलाओं को इस कौशल का उपयोग कर उद्यमी बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

रिपोर्टर : रागिनी राणावत

विद्या भवन शिक्षा सन्दर्भ केन्द्र

www.vberc.org

शिक्षा संबल कार्यक्रम

शिक्षा सम्बल विद्या भवन व हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड का एक साझा कार्यक्रम है। अक्टूबर में सरकारी विद्यालयों के 9वीं व 10वीं के बच्चों का शैक्षिक स्तर जानने के लिए बेसलाइन टेस्ट लिया गया। बेसलाइन टेस्ट का विश्लेषण कर स्कूलवार रिपोर्ट बनाकर उनके साथ साझा की गई। बेसलाइन टेस्ट में उभरे बिन्दुओं पर काम करने के लिए फील्ड अनुदेशकों के साथ मिलकर कार्य योजना तैयार की गई। नवम्बर तथा दिसम्बर में सभी विद्यालयों को विज्ञान की प्रयोग सामग्री प्रदान की गई। इस सामग्री के माध्यम से बच्चों को विज्ञान के रोचक प्रयोग विद्यालयों में करवाए जा रहे हैं। वार्षिक परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अभ्यास पुस्तिकाएं तैयार की गई हैं तथा सभी बच्चों को ये पुस्तिकाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। इन अभ्यास पुस्तिकाओं को हल करते हुए बच्चे परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

नर्सरी स्कूल इन्टरवेंशन

केन्द्र की टीम की मदद से उक्त तिमाही में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई जिनमें गरबा उत्सव, रेड-डे एवं क्रिसमस-डे शामिल थे जिसमें बच्चों ने खूब मज़ा किया। केन्द्र द्वारा पपेट के माध्यम से 'झितरिया' कहानी का प्रदर्शन किया गया। साथ ही बच्चों के लिए पिकनिक एवं हिन्दी कविता प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें बच्चों का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

आंगनवाड़ी प्रोजेक्ट

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से सेवा मंदिर द्वारा संचालित 'खुशी आंगनवाड़ी' प्रोजेक्ट के तहत गिर्वा एवं झाड़ोल ब्लॉक में कार्यरत 261 आंगनवाड़ी संचालिकाओं के लिए शाला पूर्व शिक्षा पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया साथ ही केन्द्र द्वारा 231 आंगनवाड़ियों के लिये 19 फील्ड कार्यकर्ताओं द्वारा शाला पूर्व शिक्षा पर काम की शुरूआत की गई। जिसके तहत प्रत्येक कार्यकर्ता को 12 या 13 आंगनवाड़ियों में गतिविधि द्वारा शाला पूर्व शिक्षण को प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी दी गई। प्रत्येक कार्यकर्ता एक दिन में दो आंगनवाड़ियों में जाकर काम करने हेतु प्रतिबद्ध है। उक्त तिमाही के दौरान प्रत्येक कार्यकर्ता द्वारा औसतन 130 विजिट की गई। आगामी तिमाही में शेष संचालिकाओं हेतू प्रशिक्षण एवं हैण्ड होल्डिंग सपोर्ट यथावत रखा जाएगा तथा साथ ही टीम एवं कार्यक्षेत्र के विस्तार की योजना है।

ट्रांसफार्मिंग रूरल इण्डिया

केन्द्र द्वारा झारखण्ड राज्य के 2 जिलों से चयनित 30 स्कूलों में बच्चों के नामांकन, ठहराव एवं सीखने से जुड़े कार्यों के लिए सामुदायिक सहभागिता से कार्य किया जा रहा है। इस हेतु कक्षा-3 व 4 के बच्चों का बेसलाइन टेस्ट लिया गया। साथ ही सत्र 2016-17 के लिए अकादमिक कैलेण्डर तैयार कर टी.आर.आई. के साथ साझा किया गया। इसी के लिए दिल्ली में मूल्यांकन पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला में केन्द्र की टीम द्वारा फील्ड के अनुभव साझा किए गए। आगामी तिमाही में ब्लॉक एवं फील्ड समन्वयकों की नियुक्ति के साथ दोनों जिलों में संकुल स्तर पर 1-1 बाल मेले का आयोजन किया गया।

इस्टर्न यू. पी. प्रोजेक्ट

विद्या भवन टीम ने बहराइच जिले के कैसरगंज ब्लॉक के 6 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों और बच्चों के साथ पाठ्य-पुस्तकों के अलावा अतिरिक्त पढ़ने-लिखने की सामग्री (ब्रिज कोर्स) पर काम किया गया। ब्रिज कोर्स सामग्री पर इन सभी विद्यालयों में दो स्तर पर काम किया गया। पहला, अध्यापकों की समझ बनाने का प्रयास किया गया कि इस सामग्री द्वारा कक्षा-कक्ष और कक्षा के बाहर बच्चों के साथ कैसे काम करना है। दूसरा, अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों के साथ ब्रिज कोर्स सामग्री पर काम किया गया। इस प्रक्रिया में बच्चों को अपने स्तर पर और समूह में एक-दूसरे से सीखने के अवसर दिए गए। जिसमें बच्चों ने बहुत ही उत्साह व ऊर्जा के साथ काम किया।

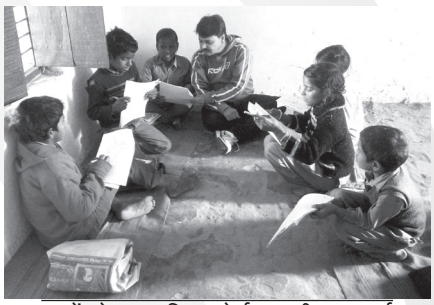

बच्चों के साथ ब्रिज कोर्स सामग्री पर कार्य

डायट बहराइच

डायट में संकायों के साथ मिलकर विभिन्न विषयों में कक्षा-कार्य किया गया। कक्षा-कार्य में समूह कार्य, परिचर्चा, प्रदत्त कार्य (असाइनमेंट), फिल्म शो व फोकस ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से किया गया। इन कार्यों को कराने के पीछे उद्देश्य छात्राध्यापकों को बाल केंद्रित शिक्षण के विभिन्न रूपों से परिचित कराते हुए शिक्षण कार्य मे दक्ष बनाना। इस अंतःक्रिया के दौरान विभिन्न विषयों जैसे- भाषा, सामाजिक अध्ययन में इतिहास, बालमनोविज्ञान, नागरिक शास्त्र व शिक्षाशास्त्र, विज्ञान पर कार्य किया गया। इन कार्यों में डायट के शिक्षकों की बराबर भागीदारी रही ताकि वह भी इन प्रविधियों से परिचिति हो सकें और अपने शिक्षण विधियों को बदल सकें। इस दौरान डायट के दोनों बैच के छात्रों के बीच फिल्म शो का आयोजन किया गया। होशंगाबाद शिक्षा कार्यक्रम पर आधारित फिल्म 'एनाअदर वे ऑफ लर्निंग' दिखाई गयी और इस फिल्म पर छात्रों से चर्चा की गई।

क्यूस्ट एलायंस से अनुबंध

क्यूस्ट एलायंस ने प्रारंभिक कक्षाओं के

बच्चों से बेसलाइन प्रश्न-पत्र भरवा लिए हैं। विद्या भवन अभी बच्चों द्वारा भरे गए गणित और भाषा (हिन्दी) के प्रश्न-पत्रों में कक्षावार प्राप्त प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करते हुए सीखने के अलग-अलग क्षेत्रों की पहचान में लगा है जहां बच्चे अच्छा कर पा रहे हैं और साथ ही यह भी देखना व समझना कि बच्चों को किन-किन क्षेत्रों में ज्यादा मदद की जरूरत है। आगे बच्चों के साथ कक्षा कक्ष में किस तरह से काम करेंगे उसकी एक कोम्प्रिहेंसिव रिपोर्ट क्यूस्ट एलायंस की अकादमिक टीम व अध्यापक के साथ साझा करेंगे। साथ ही यह भी समझ बनाना चाहते है कि अध्यापकों की किस तरह से अकादमिक समझ के साथ-साथ कक्षा-कक्ष पैडागौजी को और कैसे बेहतर बना पाएं इत्यादि को समझना।

हजीरा

केन्द्र की हजीरा शाखा द्वारा अनुदेशकों में अंग्रेजी गतिविधियों की समझ विकसित करने के लिए उदयपुर शाखा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। उक्त तिमाही में बच्चों का नामांकन एवं उपस्थिति और स्कूल विकास में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के लिए 8 एसएमसी बैठकों का आयोजन किया गया जिनमें 50 सदस्यों ने भाग लिया। बच्चों की गणितीय अवधारणाओं की समझ पुख्ता करने के लिए स्कूलों (माताफलिया, मोरा, कवास, इच्छापुरा-1 और हजीरा प्राथमिक स्कूल) में मेट्रिक मिजर्स इवेंट आयोजित किए गए। जिनमें लगभग 650 बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। इसी प्रकार 4 स्कूलों (हरपतिवास, कवास, मोरा और हजीरा प्रा. स्कूल) में बाल मेलों का आयोजन किया गया जिनमें लगभग 300 बच्चों ने भागदारी की। टीम ने अधिकारियों के साथ अपने काम को साझा कर निरन्तर संवाद बनाए रखा जिसके फलस्वरूप 8 स्कूलों में काम करने की स्वीकृति प्राप्त हुई। टीम एक्टिविटी सेंटर्स के लिए माड्यूल निर्माण का कार्य किया गया जिसके फलस्वरूप गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और गुजराती में बच्चों को सीखने में मदद के लिए वर्कशीट्स का निर्माण किया गया। योजनानुसार मोबाइल लाइब्रेरी के नियमित फेरे जारी हैं जिसमें प्रतिमाह औसतन 550 लड़के, 450 लड़कियां एवं 300 ग्रामीण लाभान्वित हुए।

रिपोर्टर : डॉ. कामिनी उपाध्याय

...पृष्ठ 2 का शेष

स्वीकृति ली जा चुकी है। भारती सदन कन्या छात्रावास का रिनोवेशन का कार्य पूर्ण करा लिया गया है। छात्राओं के लिये शाम के समय खेलने हेतु जूनियर स्कूल का परिसर व खेलकक्ष व कक्ष में 1966 बैच के विद्यार्थियों के लिए टेबल-टेनिस लगा दी है।

अरावली मेस का रिनोवेशन कार्य

जी.पी. सोनी के मार्गदर्शन में कार्य आरम्भ कर दिया गया है। इसमें फर्श, रोशनदान, भट्टी का स्थान, प्लेटफार्म एवं सब्जी कटाई, सफाई हेतु प्लेटफार्म और रंग-रोगन, बिजली सुधार कार्य शामिल है।

विद्या भवन प्रकृति साधना केन्द्र

प्रकृति साधना केन्द्र पर 100 औषधीय पौधे लगाये। प्रकाश एवं नियमित पानी की पूर्ति हेतु सौर उर्जा पैनल लगाने का कार्य प्रगति पर है। कमरों की छतों की फाईबर सीट की मरम्मत कार्य पूर्ण एवं ट्रेकिंग टेल के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

विद्या भवन पब्लिक स्कूल

प्रार्थना हॉल की खिड़कियों को शिफ्ट करना दीवारों पर प्लास्टर करना, स्टेज का निर्माण कराया व फर्श के पत्थरों की गिसाई व विद्युत फिटींग का कार्य रंग-रोगन सहित पूर्ण हो गया है। फिजिक्स व केमेस्ट्री लेब का रीनोवेशन कार्य, बाथरूम व गर्ल्स टॉयलेट के फाउण्डेशन तक कार्य पूर्ण हो चुका है। वाटर हट, छत लेवल कार्य प्रगति पर है।

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र

कृषि विज्ञान केन्द्र के फार्म के नहर के सहारे 30 फिट बाउण्ड्रीवाल को बनाया गया। बड़गांव मुख्य सड़क के सहारें चारदीवारी की मरम्मत का कार्य भी करा दिया गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र के छात्रवास परिसार का रेनोवेशन कार्य भी पूरा हो चुका है।

वि.भ.रूरल इंस्टीट्यूट

कॉलेज परिसर के समस्त टायलेट ब्लॉक की आवश्यक मरम्मत का कार्य कराया गया। दो वाटर हट का निर्माण एवं उनमें आर.ओ. व टब सिस्टम उपलब्ध करा दिया गया। ज्युलॉजी और बोटनी कक्ष का विस्तार, डी टाईप क्वार्टर में बाथरूम बनाने व क्वाटरों में विभिन्न कार्यों की स्वीकृति दी है।

सहेलियों की बाड़ी क्वार्टर्स रिनोवेशन

सहेलियों की बाड़ी स्थित दो क्वार्टर्स के एक खण्ड रीनोवेशन कार्य की स्वीकृति पाइलेट प्रोजेक्ट रूप में ली। पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के अभियन्ता अनिल मेहता, चन्द्रेश अरोड़ा, जे.पी. श्रीमाली व वरिष्ठ अभियन्ता जी.पी. सोनी ने कार्य का अवलोकन कर आवश्यक सुझाव पर कार्य कराने का निर्णय लिया।

ओवर हेड टैंक का निर्माण

सी.सै. स्कुल, फतहपुरा परिसर में 75000 लीटर क्षमता की ओवर हैड टैंक की स्वीकृति लेकर कार्य चन्द्रेश अरोडा एवं अनिल मेहता के मार्गदर्शन में पूर्ण हुआ।

समग्र भू-उपयोग मानचित्र तैयार

विद्या भवन सोसायटी के भवन एवं जमीन का समग्र भू उपयोग का मानचित्र तैयार करने का कार्य आटोकेन्द्र कन्सलटेन्ट बाशूबीदास गुप्ता एवं पूर्व वरिष्ठ अभियंता जी.पी. सोनी के तकनीकी मार्गदर्शन में कन्सलटेन्ट महेन्द्र सिंह श्रीमाली की टीम कार्य कर रही है।

रवीन्द्र सोलंकी पदोन्नत

सोसायटी के रवीन्द्र सोलंकी को कनिष्ठ अभियंता से सहायक अभियन्ता के पद पर पदोन्नत किया गया। इनके मार्गदर्शन में सम्पदा इकाई का गठन किया गया है।

रिपोर्टर : एच.आर. भाटी

अतीत के झरोखे से

25 अक्टूबर, 1998 को प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा विद्या भवन में दिए गए भाषण के कुछ अंश यहां प्रस्तुत हैं।

आज से **67** साल पहले विद्या भवन का कार्य आरम्भ हुआ। स्वतंत्रता की लड़ाई चल रही थी लेकिन स्वतंत्रता के बाद हमारे विकास का स्वरूप क्या होगा, स्वतंत्र भारत किस ढंग से निर्मित होगा, इस पर चिन्तन होने लगा था। शायद भारत और अमेरिका ये दोनों राष्ट्र ऐसे हैं जिन्होंने अपनी आजादी की लड़ाई के साथ अपना संविधान बनाना भी स्वीकार कर लिया था, उसको बनाने का काम भी आरम्भ कर लिया गया था। हम आजाद हुए और अपनी स्वतंत्रता के साथ लोकतंत्र को एक अभिन्न अंग के रूप में पाया। हमने जिन्दगी को कभी टुकड़ों में नहीं देखा यह हमारी संस्कृति की देन है। हम जिन्दगी को समग्रता में देखते हैं, हर कहीं एकांगी भाव पैदा नहीं होने देते। स्वतंत्रता उत्श्रृंखलता में न बदले यह भाव जागृत था, स्वतंत्रता समानता लाए तथा व्यक्ति-व्यक्ति में नागरिक-नागरिक में विविधताओं के बावजूद एकता का सूत्र बना रहे, एकता और एकरूपता के अन्तर को हमने स्पष्ट किया है।

हमारे देश में पंचायत व्यवस्था वर्षों से चलती रही है, पंच परमेश्वर की प्राचीन कल्पना रही है। एक बार पंचों ने फैसला कर दिया और वे सत्य और निष्पक्ष फैसला करेंगे यह आस्था थी, यह विश्वास था। आज राजनीतिक तंत्र पर लोगों का विश्वास डिग गया है उन्हें ये भरोसा नहीं है कि जो निर्णय होंगे वे निष्पक्ष-निष्पृह होंगे। मगर हमारी पुरानी पंचायती राज व्यवस्था के साथ इस तरह की कठिनाई नहीं थी, लोगों को भरोसा था और उस भरोसे के बल को हमने जड़ से सींचा, आज वह वट वृक्ष का रूप लेकर खड़ा है।

लोकतंत्र केवल हमारे लिए शासन की व्यवस्था नहीं है, जीवन की व्यवस्था है और जीवन की व्यवस्था को हम दृढ़ करते हुए चल रहे हैं। कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ रहे हैं यह बड़ी प्रसन्नता की बात है। इसमें विद्या भवन जैसी संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान है और विद्या भवन को बधाई देना चाहता हूं। डॉ. मोहन सिंह मेहता की स्मृति में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर चुका हूं। मैं जगत जी को बधाई देना चाहता हूं। वे विदेश मंत्रालय में मेरे सहयोगी थे। वे जब भी दिल्ली आते हैं, मिलते हैं, सुझाव देते रहते हैं। भारत के विदेश सचिव के रूप में उन्होंने अच्छी सेवा की थी। उस समय मुझे जो शाबासी मिली या चारों तरफ वाहवाही मिली उसमें से बड़ा हिस्सा उनका था।

आप सब लोग मिलकर एक कुटुम्ब के नाते, एक परिवार के नाते काम कर रहे हैं, यह प्रसन्नता का विषय है। मैं अपनी शुभकामनाएं देता हूं, आपके प्रयासों की उत्तरोत्तर सफलता की काम करता हूं।

डॉ. (श्रीमती) विश्व विजया सिंह

पूर्व प्रधानाध्यापिका- विद्या भवन स्कूल

...पृष्ठ 3 का शेष

पारम्परिक वेशभूषा में बुलाया गया।

नर्सरी स्कूल के बच्चों को राजीव गांधी पार्क पिकनिक ले जाया गया। जहां पर बच्चों ने प्राकृतिक परिवेश में स्वयं को आनन्दित महसूस किया वहीं अन्य कई चीजों को देखकर ज्ञान वर्द्धन किया। विभिन्न खेलों के साथ बच्चों ने पिकनिक का आनन्द लिया।

दिसंबर में नन्हे मुन्नों ने "रेड-डे" मनाया। बच्चों को लाल रंग की पहचान करवायी गई। वे लाल रंग की ड्रेस में आए व खाने में लाल रंग की चीजें लाए। इस मौके पर शिक्षा संदर्भ केन्द्र द्वारा स्टीक पपेट शो (जितरिया की कहानी) दिखाया गया। बच्चों को स्ट्रोबरी चॉकलेट व लाल गुब्बारे वितरित किये गये तथा आर्ट एवं क्राफ्ट की गतिविधि हुई।

हिन्दी कविता प्रतियोगिता

हिन्दी कविता प्रतियोगिता' में नर्सरी के बच्चों ने सराहनीय प्रदर्शन किया। बच्चों ने हाव-भाव के साथ कविता प्रदर्शित की।

क्रिसमस-डे मनाया

नर्सरी विभाग में क्रिसमस-डे मनाया गया। इस मौके पर विद्याभवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र के कार्यकर्ता सांता क्लाज़ बनकर आए तथा उन्होंने बच्चों को इस दिन का महत्व बताया व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने आर्ट एण्ड क्राफ्ट के अन्तर्गत 'कार्ड' बनवाये। बच्चों को केक वितरित किये गये साथ ही क्रिसमस ट्री भी सजाया गया।

रिपोर्टर : नारायण लाल आमेटा

Book-Post (Printed Matter)

If undelivered please return to:

Vidya Bhawan Education Resource Centre
Vidya Bhawan Society Campus,
Dr. Mohan Sinha Mehta Marg,
Fatehpura, Udaipur (Raj.) - 313004.
Phone : 0294-2451497
E-mail : vbkhojkhabar@gmail.com
Website: www.vberc.org / www.vidyabhawan.org

To,

.....

.....

.....

.....

प्रकाशक : विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केन्द्र, डॉ. मोहन सिंह मेहता मार्ग, विद्या भवन सोसायटी परिसर, उदयपुर (राज.) फोन : 0294–2451497
मुद्रक : संजय प्रिंटर्स, 71–महिला मण्डल के पास, उदयपुर (राज.) फोन : 9001000700, 9414316479